

देहरादून में दो दविसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

चर्चा में क्यों?

4-5 दसिंबर, 2021 को आज़ादी का अमृत महोत्सव के हसिसे के रूप में वन अनुसंधान संस्थान (FRI), देहरादून में वर्चुअल मोड में कार्बोहाइड्रेट (कार्बो XXXV) के रसायन वजिज्ञान और जीव वजिज्ञान में प्रगतपर दो दविसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजति कथिा गया ।

प्रमुख बदि

- इस सम्मेलन का उदघाटन भारतीय वानकिी अनुसंधान और शकिषा परषिद के महानदिशक एएस रावत ने कथिा ।
- इस सम्मेलन में एफआरआई, सीएसआईआर, आईआईटी, आईआईएसईआर प्रयोगशालाओं के वैज्ज्ञानकिों सहति भारत, यूएसए, जर्मनी, यूके, नीदरलैंड तथा पुर्तगाल के शैकषणकि संस्थानों की 250 से अधकि प्रतभिागथिों ने भाग लथिा ।
- इस अवसर पर बोलते हुए एएस रावत ने भोजन और दवा सहति जीवन के वभिन्नि पहलुओं और उनके औदयोगकि महत्व में कार्बोहाइड्रेट की भूमकिा पर ज़ोर दथिा ।
- रावत ने खरपतवारों के मूल्य वर्धति उपयोग के लथिि नई तकनीकों को वकिसति करने पर भी ज़ोर दथिा ताककि जंगलों की रकषा की जा सके और लोगों के लथिि आजीवकिा का स्रोत पैदा कथिा जा सके ।
- कषेत्र में पहचानी जा रही वभिन्नि चुनौतथिों के बारे में बोलते हुए, उन्होंने आगे वैज्ज्ञानकिों और प्रौदयोगकिीवदिों से न केवल कार्बोहाइड्रेट की उन्नति के लथिि नवीन उपकरण और तकनीक वकिसति करने का आह्वान कथिा, बलककि पारस्परकि वदिारों और लाभ के अनंत अवसरों को बनाने के लथिि तथा समाज के कल्याण और राष्ट्र के आर्थकि वकिस के लथिि नवाचारों के लथिि प्रेरणा हेतु कर्ॉस-डसिपिलिनीरी वैज्ज्ञानकि बातचीत और सहयोग को भी बढावा दथिा ।
- कार्यक्रम के पहले दिनि दो तकनीकी सत्र हुए जसिमें भारत, अमेरकिा, जर्मनी, नीदरलैंड और पुर्तगाल के वक्ताओं द्वारा 10 आमंत्रति व्थाख्यान और चार लघु व्थाख्यान दथिि गए ।